इंडियन एयरलाइंस को घाटे का होना

1911. **श्री कैलाश नारायण सारंग :** क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इंडियन एयरलाइंस को चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल, 1993 से नवम्बर, 1993 की अवधि के दौरान कुल कितना घाटा हुआ;

(ख) क्या सरकार ने इस मामले की कोई जांच करवायी है और क्या इस संबंध में कारणों का पता लगाया गया है; और

(ग) इंडियन एयरलाइंस के घाटों की भरपाई और उसे एक लाभ कमाने वाला उपक्रम बनाने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) अप्रैल से नवम्बर, 1993 की अवधि के दौरान, इंडियन एयरलाइंस को 218 करोड़ रुपए की अनुमानित हानि हुई।

(ख) हानि के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं :–

(1) बड़े पैमाने पर हवाई टैक्सी ऑपरेटरों के आ जाने पर मार्केट हिस्सेदारी में घाटा ।

(2) प्रचालन की लागत में वृद्धि जिसकी पूर्ण क्षतिपूर्ति किराये में वृद्धि करके नहीं हो सकी।

(ग) हानि को कम करने के लिए इंडियन एयरलाइंस द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए :–

(1) ग्राउंड और विमान दोनों पर ग्राहक सेवाओं में सुधार,

(2) अधिक और निःशुल्क उड़ान, प्वाइंट टू-प्वाइंट किराये, अंतर्देशीय टूर पैकेज इत्यादि जैसी योजनाएं आरंभ करना,

(3) "समय पर कार्य-निष्पादन" पर निकट से निगरानी रखना,

(4) एजेंटों के लिए उत्पादकता-संबद्ध, प्रोत्साहन सहित विपणन नीतियों में परिवर्तन,

(5) सुविधाजनक समयावलियां बनाना,

(6) वर्तमान बेड़े की उपयोगिता को बढ़ाना,

(7) अंतरराष्ट्रीय प्रचालनों में वृद्धि, तथा

(8) अनुत्पादक व्यय पर अंकुश लगाना।

Drinking Water served on IA flights

1912. SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the drinking water served on Indian Airlines Flights is not filtered water ;

(b) if so, what steps are being taken by Indian Airlines to serve only filtered or mineral water to its passengers ;

(c) whether it is a fact that the private airlines serve only filtered/mineral water to the passengers ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Information is being collected and would be laid on the Table of the House.

Facilities to Passengers and Operators of Private Airlines

1913. SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the facilities provided by I.A.A.I., N.A.A. and the various Government agencies to the passengers and operators of Private Airlines are not at par with the facilities provided to the Indian Airlines and Air India ; and

(b) if so, what steps Government propose to take to provide better facilities to the passengers and operators of private airlines ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) The space within terminal areas at certain airports for check-in counters for the passengers of Air-Taxi operators has become inadequate due to increase in Air-Taxi operations. Short and long term steps have been initiated to augment terminal capacity wherever possible.

निजी एयर टैक्सियों का किराया

1914. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने उन क्षेत्रों के लिये विमान किराया निश्चित कर दिया है जहां निजी एयर टैक्सियां चलाई जा रही हैं; और

(ख) यदि हां, तो दिल्ली से कुल्लू तक की विमान यात्रा के लिये यात्रियों से कितना किराया वसूल किया जा रहा है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) एयर टैक्सी मार्ग-दर्शी सिद्धांतों के अंतर्गत एयर टैक्सी प्रचालकों द्वारा लिए जाने वाले किरायों पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

देश में वायुदूत का कार्यकरण

1915. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के किन-किन मार्गों और स्थानों पर "वायुदूत" की विमान सेवाएं सुलभ थीं;

(ख) वायुदूत की विमान सेवाओं को कब से बन्द कर दिया गया है और इसके क्या कारण हैं; और

(ग) ऐसे स्थानों पर पर्यटकों तथा यात्रियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु क्या वैकल्पिक व्यवस्था की गई है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) विवरण-1 पर दी गई सूची में उल्लिखित 105 स्टेशनों में से वायुदूत इस समय 31 स्टेशनों पर सेवाएं प्रचालित कर रहा है जिन्हें विवरण-2 पर दी गई सूची में दर्शाया गया है **(नीचे देखिये)**।

(ख) वर्ष 1989-90 के पश्चात, प्रचालनात्मक कठिनाइयों और वाणिज्यिक कारणों से नेटवर्क पर स्टेशनों की संख्या को धीरे-धीरे कम कर दिया गया है।

(ग) अधिकांश मार्गों पर वायुदूत कम दूरी वाले सेक्टरों पर प्रचालन कर रहा था। जिन स्थानों के लिए वायुदूत प्रचालन नहीं कर रहा, उन्हें सड़क और रेल द्वारा जोड़ा गया है।

विवरण 1

उन स्टेशनों की सूची जिन पर वायुदूत प्रचालन कर रहा है

उत्तरी क्षेत्र

जम्मू और काश्मीर

01. जम्मू
02. राजौरी

पूर्वी क्षेत्र

केन्द्र शासित प्रदेश - दिल्ली

03. दिल्ली

उत्तर प्रदेश

04. देहरादून
05. कानपुर
06. लखनऊ
07. गोरखपुर
08. इलाहाबाद
09. आगरा
10. वाराणसी
11. पंतनगर

केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़

12. चंडीगढ़